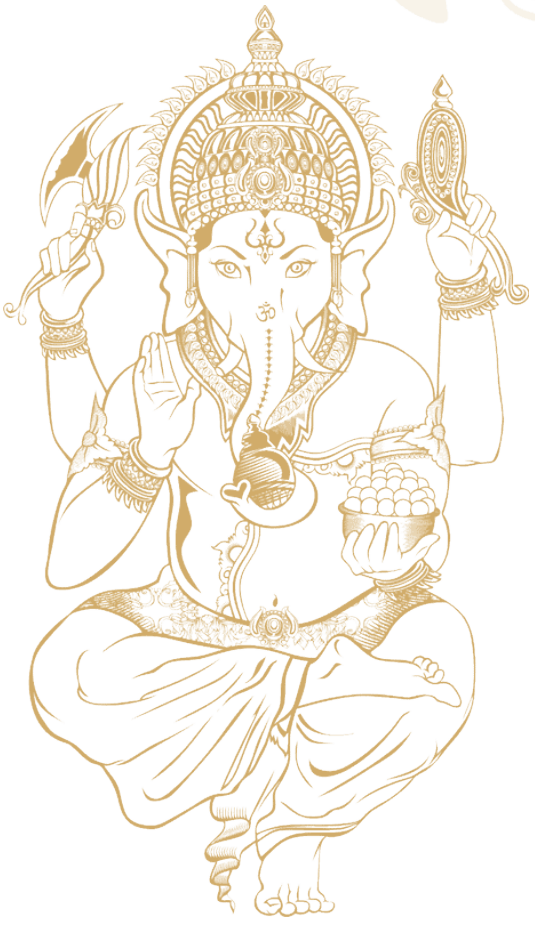

SAURABH

PRAGTI THAKUR

Model: Love-Horoscope

Order No: 121113901

Model: Love-Horoscope

Order No: 121113901 Date: 30/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/08/1999	जन्म तिथि	12/08/2002
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	14:20:00 घंटे
घटी 33:08:44	जन्म समय(घटी)	21:26:03 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:30	सूर्योदय	05:45:34
18:51:28	सूर्यास्त	19:07:11
23:50:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:21

कुम्भ	लग्न	वृश्चिक
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कुम्भ	राशि	कन्या
शनि	राशि-स्वामी	बुध
शतभिषा	नक्षत्र	हस्त
राहु	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
4	चरण	2
सुकर्मा	योग	साध्य
कौलव	करण	बव
सू-सूरज	जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मेष

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 10मा 1दि		17:51:44	कुंभ	लग्न	वृश्चि	14:20:06	चन्द्र 6वर्ष 4मा 15दि	
शनि		10:00:01	सिंह	सूर्य	कर्क	25:35:43	राहु	
28/06/2019		17:09:30	कुंभ	चंद्र	कन्या	14:49:52	28/12/2015	
28/06/2038		02:18:38	वृश्चि	मंगल	कर्क	25:07:53	27/12/2033	
शनि	01/07/2022	28:17:10	कर्क	बुध	सिंह	15:59:47	राहु	09/09/2018
बुध	10/03/2025	11:07:40	मेष व	गुरु	कर्क	08:27:06	गुरु	02/02/2021
केतु	19/04/2026	28:59:50	कर्क व	शुक्र	कन्या	11:15:38	शनि	10/12/2023
शुक्र	19/06/2029	23:19:35	मेष	शनि	मिथु	02:07:05	बुध	28/06/2026
सूर्य	01/06/2030	19:05:02	कर्क व	राहु व	वृष	21:43:12	केतु	17/07/2027
चन्द्र	31/12/2031	19:05:02	मक व	केतु व	वृश्चि	21:43:12	शुक्र	16/07/2030
मंगल	08/02/2033	20:11:54	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:16:15	सूर्य	10/06/2031
राहु	16/12/2035	08:18:34	मक व	नेप व	मक	15:24:54	चन्द्र	09/12/2032
गुरु	28/06/2038	13:54:31	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:03:50	मंगल	27/12/2033

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:50:56 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:21

लग्न-चलित

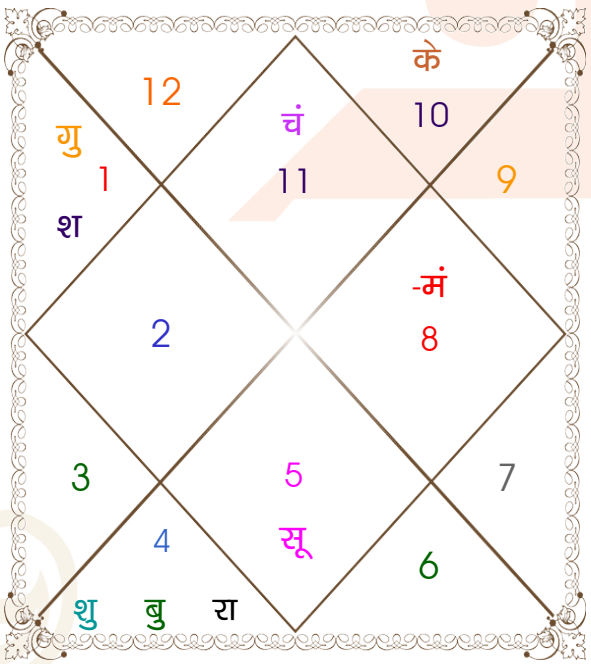

लग्न-चलित

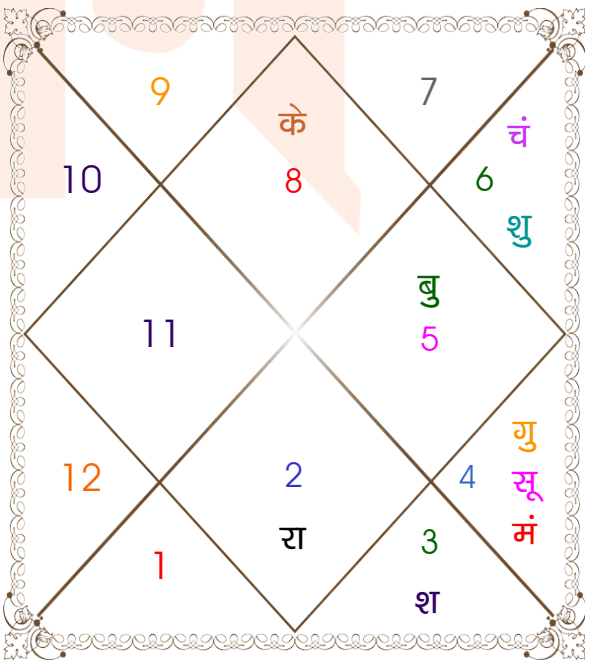

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	महिष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	8.50		

कुल : **8.5 / 36**

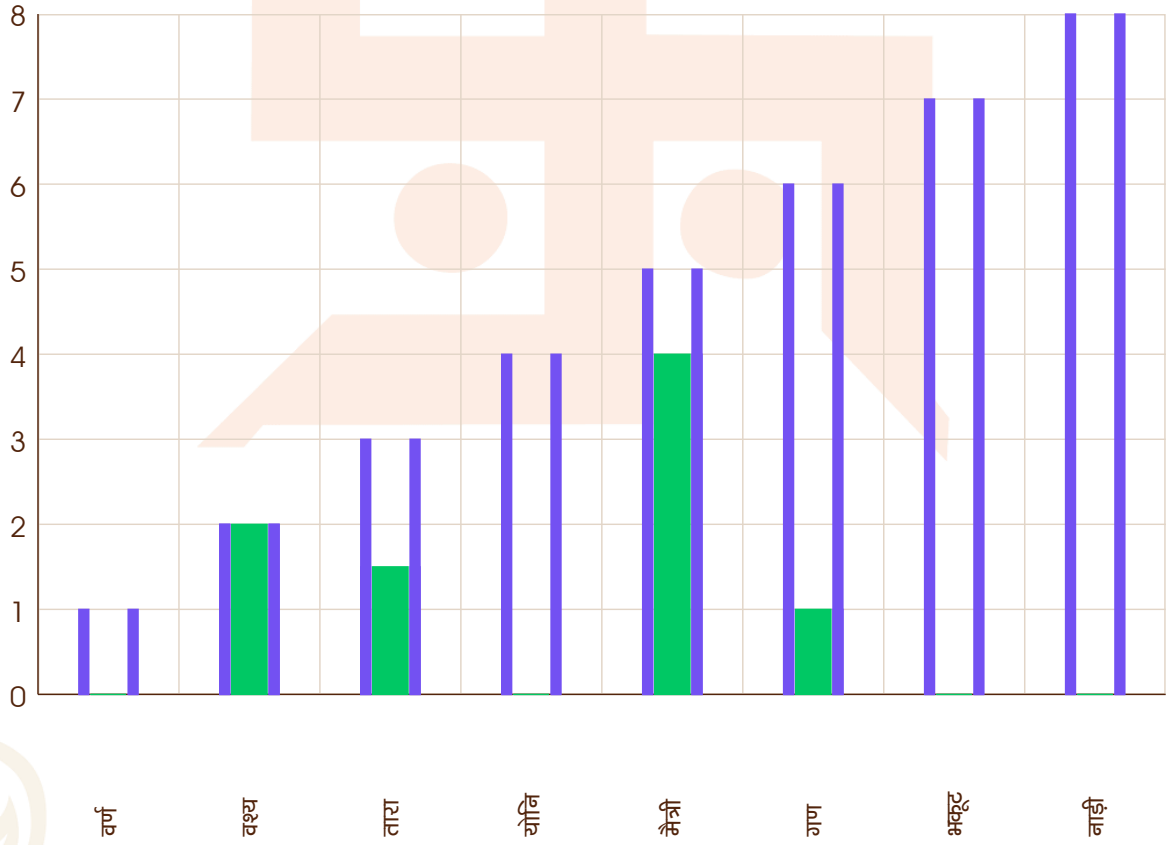

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

SAURABH का वर्ग मेष है तथा PRAGTI THAKUR का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार SAURABH और PRAGTI THAKUR का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

SAURABH मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

PRAGTI THAKUR मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

SAURABH तथा PRAGTI THAKUR में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

SAURABH का वर्ण शूद्र है तथा PRAGTI THAKUR का वर्ण वैश्य है। क्योंकि PRAGTI THAKUR का वर्ण SAURABH के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। PRAGTI THAKUR अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह PRAGTI THAKUR अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

SAURABH का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं PRAGTI THAKUR का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। SAURABH एवं PRAGTI THAKUR दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

SAURABH की तारा विपत तथा PRAGTI THAKUR की तारा मित्र है। SAURABH की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। SAURABH एवं SAURABH के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि PRAGTI THAKUR हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर PRAGTI THAKUR को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

SAURABH की योनि अश्व है तथा PRAGTI THAKUR की योनि महिष है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में SAURABH का राशि स्वामी PRAGTI THAKUR के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि PRAGTI THAKUR का राशि स्वामी SAURABH के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

SAURABH का गण राक्षस तथा PRAGTI THAKUR का गण देव है। अर्थात PRAGTI THAKUR का गण SAURABH के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण SAURABH निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही SAURABH का PRAGTI THAKUR के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। PRAGTI THAKUR हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

SAURABH से PRAGTI THAKUR की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा PRAGTI THAKUR से SAURABH की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। SAURABH एवं PRAGTI THAKUR दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। SAURABH शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर PRAGTI THAKUR बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

SAURABH की नाड़ी आद्य है तथा PRAGTI THAKUR की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मिलान नहीं है। SAURABH एवं PRAGTI THAKUR दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

SAURABH की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा PRAGTI THAKUR की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। वायु एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत विषमताएं होंगी जिससे संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सामान्य रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

SAURABH की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा PRAGTI THAKUR की जन्मराशि का स्वामी बुध परस्पर भित्र है। अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य संबंधों में मधुरता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं समर्पण का भाव भी रहेगा फलतः सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में सामंजस्य तथा संबंधों में अनुकूलता रहेगी।

SAURABH और PRAGTI THAKUR की राशियां परस्पर अष्टम तथा पष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से परस्पर मतभेद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण होगा जिससे संबंधों में प्रायः कटुता एवं तनाव का भाव रहेगा तथा आपसी विवादों में समय व्यतीत होगा। सुख दुख में वे एक दूसरे के प्रति किसी भी प्रकार की सहानुभूति और आत्मीयता नहीं रहेगी। अतः यदि बुद्धिमता एवं सामंजस्य से कार्य करना चाहिए।

SAURABH और PRAGTI THAKUR दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ होंगे। अतः इससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

SAURABH का वर्ण शूद्र तथा PRAGTI THAKUR का वर्ण वैश्य हैं। अतः इसके प्रभाव से SAURABH की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में रहेगी परन्तु PRAGTI THAKUR धनार्जन के प्रति विशेष रूचिशील रहेगी तथा जीवन में धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी।

धन

SAURABH और PRAGTI THAKUR दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

SAURABH और PRAGTI THAKUR दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से SAURABH और PRAGTI THAKUR शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो PRAGTI THAKUR के प्रभाव से SAURABH का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव SAURABH की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से SAURABH और PRAGTI THAKUR का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त SAURABH और PRAGTI THAKUR के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में PRAGTI THAKUR के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन PRAGTI THAKUR को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में PRAGTI THAKUR को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से SAURABH और PRAGTI THAKUR सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार SAURABH और PRAGTI THAKUR का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

PRAGTI THAKUR के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद PRAGTI THAKUR अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से PRAGTI THAKUR पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि PRAGTI THAKUR अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

SAURABH के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा SAURABH अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी SAURABH का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में SAURABH का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि SAURABH तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में SAURABH के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

लग्न फल

SAURABH

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कुंभ लग्न, मीन नवमांश एवं मिथुन राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से ऐसा स्पष्ट संकेत मिलता हैं कि आपका जीवन निश्चित रूप से समृद्धि एवं प्रसन्नता से युक्त रहेगा। आप अपनी योजना के संपादन में युक्त रहे तो आप अपनी मंजिल तक पहुंच कर जीवन में आश्चर्य जनक सफलता प्राप्त करेंगे।

जब आप 28 वर्ष के हो जाएंगे। तब वह समय आपके जीवन की अत्यंत सार्थकता से युक्त रहेगा। वास्तविकता तो यह होना चाहिए कि आपके साथ एक ऐतिहासिक घटना यह है कि आप मात्र धन की एक स्तम्भ मात्र ही नहीं होगे बल्कि आप सर्वथा अपनी अभिलाषा के अनुरूप शक्ति संपन्नता पद एवं प्रतिष्ठा सभी कुछ अर्जित करेंगे। यदि आप सम्पतिवान हो गए तो आप आपका आर्थिक उन्नति भी पर्याप्त मात्रा में होगी। क्योंकि आप कोई-न-कोई एक प्रभावशाली पद अपनी युवावस्था में अवश्य प्राप्त करेंगे। क्योंकि चंद्र प्रभाव के अनुसार आप अवश्य ही धनी होंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से मेधावी व्यक्ति हैं आप किसी भी मुद्दा पर विचारपूर्वक एवं कार्य पद्यति के अनुसार समुचित रूप रेखा प्रस्तुत प्राप्त किए हुए तथा बिना किसी प्रकार की अविवेकपूर्ण धारणा के आपको अपने प्रस्तावित कार्य शैली का उत्तम परिणाम प्राप्त होगा।

आप सर्वदा नई धारणा एवं अनुभव के आधार पर विचारपूर्वक कार्य संपादन हेतु सक्षम है। आप स्थिर रूप से मूल पहुंच पथ पर चलकर धन का लाभांश उत्पन्न एवं प्राप्त कर सकते हैं।

आप दयालु एवं उदार प्रवृति के प्राणी हैं। आप जरूरत मंद लोगों की सहायता में अपना सहयोग का विस्तार करते हैं। परंतु लोग आपको मूर्ख कहते हैं। क्योंकि आप किसी भी शक्ति से बिना अवगत हुए तथा अन्यों की विचार धारा को जाने ही उसकी सहायता करते हैं। आपको कौन कैसा हैं। इसकी जानकारी प्राप्त कर तथा आश्वस्त होकर ही मदद करनी चाहिए तथा इन तथ्यों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

आप सुगमता पूर्वक किसी को भी अपना मित्र नहीं बना लें। किंतु आपको एक बार यह अंगीकृत करना होगा कि कुछ लोग आपके साथी हैं। आप उनके साथ मित्रवत व्यवहार करते हैं तथा वे आपके लिए सदैव प्रस्तुत रहते हैं। इस प्रकार आपके मित्र सदैव आपका पूर्ण समर्थन करे। इसलिए आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करते हैं।

आप सदैव सुखद एवं आनंदायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी आकर्षक एवं आज्ञाकारी पत्नी एवं आज्ञाकारी पुत्रों से युक्त रह कर संसर्गित जीवन का आनंद प्राप्त कर सकते हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

आप एक धार्मिक प्राणी हैं। आप अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे। आप उदारता पूर्वक (बिना जी चुराए) दान प्रदान करेंगे। आप सर्वदा सृष्टि में बार-बार जन्म लेने वाली रहस्यमयी विषयों की जानकारी प्राप्ति करने की रूचि रखते हैं तथा लोगों को एवं दुनियां में इस रहस्य को प्रदर्शित करना चाहते हैं।

आप वस्तुतः भाग्यशाली प्राणी है। भाग्य आपका और भी साथ किस प्रकार देगा। इसकी जानकारी हेतु आप निम्नांकित निर्देशन का पालन करें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नीला रंग, हरा एवं नारंगी रंगों का परित्याग करें।

आपके लिए अंकों में प्रमाणित अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 हैं। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल अंक है। इनका परित्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

PRAGTI THAKUR

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल हुआ था। जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक नवमांश के साथ-साथ मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप संभाव्य वैदेशिक यात्राओं सहित धन से आनंदित होकर संसारिक सुखों एवं आनन्ददायक उत्तम प्रकार का जीवन व्यतीत करेंगी। परंतु आपको एक पूर्व सूचना दी जाती है कि आपको छोटे-मोटे रूप से उछल कूद के परिणामस्वरूप हल्की मरहम पट्टी की आवश्यकता पड़ती रहेगी। अतः आप सावधानी पूर्वक अपनी दैनिक गतिविधियां रखें। अन्यथा आप के पैर में चोट, दर्द या मोच संबंधी रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतएव आप गाड़ी चलाते समय तथा रोड पार करते समय सावधानी बरतें। अन्यथा कोई दुर्घटना की भी आशंका बनती है।

सामान्यतः आप उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य से आनंदित रहेंगी। परंतु वृश्चिक राशीय बिंदु से यह संभाव्य है कि आप प्रजनन संबंधी इंद्रिय रोग से संबंधित हो सकती हैं अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग का प्रकोप भी आप पर पड़ सकता है। अतः आप समय-समय पर परिवारिक चिकित्सक से स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण कराती रहे।

आप एक आश्चर्यजनक शक्ति से संपन्न प्राणी है तथा आप किसी भी कार्य व्यवसाय में किस प्रकार सफल हो सकती हैं, इस संबंध में आश्वस्त हैं। आप में अतिशय प्रवीनता विद्य मान हैं आप में ईश्वरीय वरदान है कि आप जन सामान्य से बातचीत करके उन्हें विश्वास-पात्र बना लेती हैं। आपके हृदय में विभिन्न प्रकार के उपचार की पद्धतियाँ विद्यमान है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार अन्य से सुरक्षित अपनी योजना का संपादन धीरे-धीरे कराती हैं। परंतु आप व्यवहारिता के दृष्टिकोण सच्चे अर्थों में आलसी प्रवृति की प्राणी हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

व्यक्तिगत रूप से आपके स्वभाव के अनुकूल कार्य-व्यवसाय हेतु कृषि कार्य एवं कृषि उत्पादन, आयल इंजिन का कार्य अथवा माइंस का कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी अभिलाषा हो तो आप अभिनय कार्य व्यवसाय में भी सफल हो सकती हैं। आप यह अच्छी प्रकार जानती हैं कि किसके साथ किस प्रकार मिथ्याचरण करना चाहिए।

आप अपने परिवारिक विषयों पर यथेष्ठ समय का सदुपयोग करेंगी। आप अपने समय को शांतिपूर्वक, सुव्यवस्थित, सुखदायक वातावरण के अनुकूल बिताना चाहती है।

आप अपने पति एवं बच्चों के समय को प्रीति पूर्वक बिताने के लिए आरामदायक सभी व्यवस्था करेंगी।

आप अपने वैवाहिक जीवन को तुलनात्मक रखने के लिए अपने जीवन संगी का चयन हेतु उन राशि के वरों को देखें जिसका जन्म बृश्चिक, मीन, कर्क, बृष, मकर अथवा कन्या राशि में हुआ हो।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक व्यवहार के लिए अनुकूल हैं। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग उपयुक्त एवं अच्छा रंग है। परंतु आपको किसी भी दशा में सफेद रंग, नीला एवं हरा रंग त्याज्य है।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

SAURABH

आपका जन्म दिनांक 27 होने से दो और सात के योग द्वारा नौ आपका मूलांक होगा। जिसका अधिष्ठाता ग्रह मंगल है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक सात का भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह है।

मूलांक नौ का स्वामी मंगल एवं उनके ग्रहमण्डल का सेनापति होने से आपके अन्दर सेनापतित्व की भावना अधिक रहेगी। आप बचपन से अन्तिम अवस्था तक मुखिया के रूप में रहना पसन्द करेंगे। ऐसा ही रोजगार का क्षेत्र चुनेंगे, जिसमें आप स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। साहस आपके अन्दर कूट-कूट कर भरा होगा तथा साहसिक कार्यों को करने में आपको विशेष आनन्द की अनुभूति होगी। स्वभाव से आप तेज गति वाले, शीघ्रातिशीघ्र कार्य को अंजाम देने वाले तथा जल्दी एवं फुर्ती से सभी कार्यों को संपादित करने वाले व्यक्ति के रूप मे ख्याति अर्जित करेंगे।

साहस आपका मुख्य गुण रहेगा और दुःसाहस अवगुण। कभी-कभी दुःसाहस वश आप अपने जीवन में गहरी चोट भी खायेंगे। अनुशासन पालन करना एवं कराना आपके स्वभाव में रहेगा। इससे आप कठोर हृदय के व्यक्ति कहलायेंगे। लेकिन कोई भी व्यक्ति आपकी खुशामद, चापलूसी करके आपसे वांछित कार्य करा सकता है। अतः इस अवगुण के कारण खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से आप जीवन में कई बार हानि भी उठायेंगे। क्रोध की मात्रा आपके स्वभाव में ज्यादा ही रहेगी। इससे आपको हानियों की संभावनाएं प्रायः बनी रहेगी एवं आपके शत्रुओं, विरोधियों की वृद्धि का कारण आपका क्रोध बनेगा।

अंक दो का स्वामी चद्र एवं सात का नेपच्यून आपकी कल्पना शक्ति, अन्वेषण कार्यों में वृद्धि करेगा। आपको बाग-बगीचे, हरियाली, जंगल, पहाड़ों की सैर करना अच्छा लगेगा।

PRAGTI THAKUR

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक होता है। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान महिला होंगी। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित महिला होंगी एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगी, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगी।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगी। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

SAURABH

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

PRAGTI THAKUR

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com